

प्रेषक,

राधा रतूडी,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
आई0सी0डी0एस0,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास अनुभाग,

देहरादून: दिनांक 5 नवम्बर, 2014

विषय:- मुख्यमंत्री वृद्ध महिला पोषण योजना के संचालन हेतु राज्य आकस्मिकता निधि से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1841/अनुपूरक मांग बजट/2014-15 दिनांक 22-09-2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अन्तर्गत संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति को प्रोत्साहित करने एवं आई0सी0डी0एस0 सेवाओं में पूर्ण जन सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु वृद्ध महिलाओं (जिन्हें वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिल रहा है) का सहयोग लिये जाने एवं वृद्ध महिलाओं के सम्बन्ध में सकारात्मक पारस्परिक पद्धतियों के द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से शासन स्तर पर सम्यक विचारोपरान्त मुख्यमंत्री वृद्ध महिला पोषण योजना (शत प्रतिशत राज्य योजना) संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है। वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या 15 के आयोजनागत पक्ष में मुख्यमंत्री वृद्ध महिला पोषण योजना के संचालन हेतु धनराशि की त्वरित आवश्यकता के दृष्टिगत ₹ 112500000 (₹ ग्यारह करोड़ पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम आहरित करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

योजना का नाम:-

इस योजना का नाम "मुख्यमंत्री वृद्ध महिला पोषण योजना" के नाम से जाना जायेगा।

1-योजना का परिचय:-

आई0सी0डी0एस0 के अन्तर्गत संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से 6 माह से 06 वर्ष के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं एवं किशोरी बालिकाओं के पोषण एवं स्वास्थ्य की देखभाल पर केन्द्रित सेवाएँ दी जाती हैं। बच्चों पर केन्द्रित सेवाओं में महत्वपूर्ण सेवा है-"स्कूल पूर्व शिक्षा" अनुपूरक पोषाहार, स्वास्थ्य जांच, स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा, टीकाकरण एवं संदर्भ सेवा। इन सेवाओं का मुख्य लक्ष्य है बच्चे का सर्वांगीण विकास अर्थात् सम्पूर्ण पोषण, सम्पूर्ण टीकाकरण तथा सीखने की विभिन्न पद्धतियों के माध्यम से बच्चे का शारीरिक, मानसिक, एवं संवेगात्मक विकास। योजना की समीक्षा के दौरान बहुधा यह तथ्य संज्ञान में आता है कि कार्यक्रम में जन सहभागिता की कमी के कारण बच्चों पर केन्द्रित सेवाएँ अपने लक्ष्य की पूर्ति में सफल नहीं हो पा रही हैं। जिसका परिणाम आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की कम उपस्थिति, बाल देखभाल एवं स्तनपान की पद्धतियों के प्रति कम जागरूकता एवं कुपोषण की स्थिति का चुनौती के रूप में मौजूद रहना है। अतः सम्यक

विचारोपरान्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति को प्रोत्साहित करने एवं आई0सी0डी0एस0 की सेवाओं में पूर्ण जन सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु वृद्ध महिलाओं (जिन्हें वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिल रहा है) का सहयोग लिये जाने का निर्णय किया गया है। इस हेतु प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र पर वृद्ध महिलाओं का एक मार्ग दर्शक समूह बनाए जायेगा जो आंगनबाड़ी केन्द्र की गतिविधियों में सहयोग करने, कुकड फूड तैयार करने में सहयोग के साथ ही माता-पिता को अपने बच्चों को नियमित आंगनबाड़ी केन्द्र भेजने हेतु प्रोत्साहित करेगा।

2-उद्देश्य:-

1. विभागीय सेवाओं में पूर्ण जन सहभागिता सुनिश्चित करना।
2. स्कूल पूर्व शिक्षा में बच्चों की उपस्थित बढ़ाना एवं किस्से, कहानी, लोकगीतों के माध्यम से उसे रुचिकर बनाना।
3. बच्चों की सही देखभाल एवं पोषण के प्रति जन सामान्य को जागरूक करना।
4. सकारात्मक पारम्परिक पद्धतियों के द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को बढ़ावा देना।
5. कुकडफूड एवं टी0एच0आर0 का प्रतिदिन के आधार पर सोशल ऑडिट।

3-योजना के लाभार्थी एवं चयन :-

इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र पर वृद्ध महिलाओं का एक समूह बनाया जायेगा। समूह में समाज कल्याण विभाग की वृद्धावस्था पेंशन योजना में आच्छादित महिलाएँ सम्मिलित होगी। वृद्धावस्था पेंशन योजना से सम्बन्धित अभिलेखों के आधार पर इन महिलाओं का चयन आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा तथा सत्यापन सम्बन्धित मुख्य सेविका द्वारा किया जायेगा। यह समूह आंगनबाड़ी केन्द्र में दी जाने वाली सेवाओं में सहयोग प्रदान करेगा।

4-समूह के मुख्य कार्य :-

आंगनबाड़ी केन्द्र में पंजीकृत 06 माह से 03 वर्ष के बच्चों की देखभाल, टीकाकरण वृद्धि अनुश्रवण तथा अनूपूरक पोषाहार आदि सेवायें के लिये यह समूह एक संरक्षक ग्रुप के रूप में कार्य करेगा साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा दी जाने वाली सेवाओं का अनुश्रवण एवं मूल्यांकन भी करेगा। समूह के प्रत्येक सदस्य को कम से कम 02 से 03 बच्चों के देखभाल एवं पोषण की जिम्मेदारी लेनी होगी। जिन बच्चों की जिम्मेदारी ली जायेगी उनके सम्बन्ध में समूह के सदस्यों को निम्न कार्य करने होंगे :-

1. स्कूल पूर्व शिक्षा के बच्चों को प्रतिदिन आंगनबाड़ी केन्द्र लाना तथा इस हेतु माता-पिता को प्रोत्साहित करना।
2. बच्चों का नियमित वृद्धि अनुश्रवण कराना तथा उनके विकास के सम्बन्ध में माता-पिता को सलाह देना।
3. बच्चों का मातृ शिशु रक्षा कार्ड बना हो तथा नियमित रूप से भरा जा रहा हो इस पर ध्यान देना।
4. बच्चों की स्वच्छता पर ध्यान देना अर्थात् बच्चे स्वच्छ (नहाना तथा स्वच्छ कपड़ा) नाखून कटे, एवं हाथ धोने की पद्धतियों को अनुसरण करते हों। इस हेतु माता पिता को भी नियमित रूप से प्रोत्साहित करना।

5. 03-06 वर्ष के बच्चों को केन्द्र पर नियमित रूप से ताजा पका भोजन दिया जा रहा है इस पर ध्यान देना।
6. 6 माह 03 वर्ष के बच्चों एवं गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को माह में टी0एच0आर0 प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित करना तथा टी0एच0आर0 के नियमित वितरण पर नजर रखना।
7. कुपोषित श्रेणी के बच्चों के पोषण की देखभाल हेतु उनके माता-पिता को सलाह।
8. संदर्भ सेवाओं का अनुश्रवण।
9. प्री-स्कूल की गतिविधि जैसे-कहानी सुनाना, खेल कराना आदि में प्रतिभाग करना।
10. समय-समय पर भोजन बनाने में सहयोग करना। सामुदायिक सहभागिता से भोजन हेतु आवश्यक सब्जियां आदि जुटाना।
11. मिनी केन्द्र में समूह के सदस्यों द्वारा ही बारी-बारी से ताजा पका भोजन तैयार किया जायेगा।

5-समूह को प्राप्त सुविधायें :

समूह के सदस्यों को आंगनबाड़ी केन्द्र पर प्रतिदिन (रविवार एवं अवकाश को छोड़कर) ताजा पका भोजन दिया जायेगा। समूह को आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों के साथ बैठक भोजन करना होगा। भोजन हेतु प्रति सदस्य प्रति माह (माह में 25 दिन हेतु) रु0 250.00 का मानक निर्धारित है। इस धनराशि से निम्न विवरण के अनुसार भोजन दिया जायेगा :-

1. चावल एवं दाल अथवा राजमा अथवा स्थानीय दाल - चावल- 150 ग्राम, दाल/राजमा/स्थानीय दाल- 45 ग्राम अथवा
2. खिचड़ी : चावल-120 ग्राम, दाल- 50 ग्राम

उक्त सामग्री तैयार करने में आवश्यकतानुसार तेल, नमक, मसाले, आदि का उपयोग किया जायेगा। प्राविधानित धनराशि से खाद्यान्न, ईंधन, नमक, मसाले, तेल आदि क्रय किये जायेंगे।

6-वित्तीय प्रबन्धन :-

प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र/मिनी आंगनबाड़ी केन्द्र में वृद्धावस्था पेशन के आधार पर चयनित महिलाओं की संख्या के आधार पर प्रति लाभार्थी प्रति माह रु0 250.00 की दर से धनराशि माता समिति के बैंक खाते में अग्रिम रूप से उपलब्ध कराई जायेगी। माता समिति के बैंक खाते में सम्बन्धित धनराशि समाप्त होने के पूर्व ही आगामी माहों हेतु आवश्यक धनराशि अग्रिम के रूप से पुनः उपलब्ध करा दी जायेगी। चयनित महिलाओं के भोजन हेतु इस धनराशि का उपयोग माता समिति द्वारा किया जायेगा। इस हेतु अभिलेखों का रखरखाव एवं वित्तीय प्रबन्धन आई0सी0डी0एस0 के अन्तर्गत संचालित कुकड फूड एवं टी0एच0आर0 की व्यवस्थानुसार किया जाएगा। इस हेतु अलग से कैश बुक बनायी जायेगी जिसमें प्राप्त धनराशि का नियमानुसार अंकन किया जायेगा। साथ ही इससे सम्बन्धित बिल-बाउचर पत्रावली, स्टॉक पंजिका, एवं वितरण पंजिका अलग से बनाये जायेंगे। आहरण वितरण अधिकारी द्वारा यह ध्यान रखा जायेगा कि इस कार्य हेतु धनराशि माता समिति के खाते में ही दी जायेगी किन्तु इसका अंकन अलग से दिखाया जायेगा।

अग्रिम रूप से आहरित धनराशि का समायोजन कोषागार को नियमानुसार प्रस्तुत किया जायेगा। इस हेतु व्यय धनराशि का नियमानुसार आडिट होगा। आडिट हेतु समस्त वित्तीय अभिलेख यथा कैश बुक, स्टॉक पंजिका, सामग्री क्रय के बिल बाउचर, माता समिति की पास बुक, चेक बुक आदि अद्यतन रखे जायेगे, जिनका नियमित रूप से विभागीय अधिकारी सत्यापन/ निरीक्षण करेंगे। इसी प्रकार अग्रिम रूप से आहरित धनराशि के समायोजन-बिल की प्रतियां बाल विकास परियोजना कार्यालयों एवं जिला कार्यक्रम कार्यालयों में रक्षित की जाएगी।

7-रिपोर्टिंग व्यवस्था :-

इस कार्य की रिपोर्टिंग से सम्बन्धित निम्नलिखित प्रारूप संलग्न है :-

आंगनवाड़ी कार्यकर्ती/मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ती के रिपोर्टिंग का प्रारूप	संलग्न ए
मुख्य सेविका के रिपोर्टिंग का प्रारूप	संलग्न बी
सी0डी0पी0ओ0 के रिपोर्टिंग का प्रारूप	संलग्न सी (वित्तीय एवं भौतिक प्रगति)
डी0पी0ओ0 के रिपोर्टिंग का प्रारूप	संलग्न डी (वित्तीय एवं भौतिक प्रगति)

पूर्व माह (1 तारीख से माह के अन्तिम दिवस तक) में इस कार्य की मासिक प्रगति रिपोर्ट निर्धारित प्रारूपों पर निम्न व्यवस्थानुसार की जायेगी :-

क्र० सं०	रिपोर्टिंग		निर्धारित तिथि	प्रारूप
	From	To		
1	आंगनवाड़ी कार्यकर्ती / मिनी कार्यकर्ती	मुख्य सेविका	03 तारीख तक	प्रारूप ए
2	मुख्य सेविका	सी0डी0पी0ओ0	05 तारीख तक	प्रारूप बी
3	सी0डी0पी0ओ0	डी0पी0ओ0	07 तारीख	प्रारूप सी
4	डी0पी0ओ0	निदेशालय	12 से 15 तारीख तक	प्रारूप डी एवं वित्तीय प्रगति रिपोर्ट

8-वित्त की व्यवस्था :-

वृद्धावस्था पेंशन से आच्छादित महिलाओं लगभग 1.50 लाख की अनुमानित संख्या होने एवं प्रति लाभार्थी महिला पर प्रति माह ₹0 250.00 की दर से माह में कुल ₹0 375.00 लाख का व्यय होगा। वित्तीय वर्ष 2014-15 में 09 नवम्बर, 2014 से आगामी 03 माह हेतु ₹112500000 (₹ ग्यारह करोड़ पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि का व्यय अनुमानित है।

9-अनुश्रवण एवं मूल्यांकन :

इस योजना का प्रभावी अनुश्रवण मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जायेगा। योजना का अनुश्रवण एवं मूल्यांकन शासनादेश संख्या-3069/XVII(4)/2013/129/06, दिनांक 05.12.2014 में उल्लिखित प्राविधानों के अधीन किया जायेगा।

10 अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिये यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

11- वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड V भाग -I के प्राविधानों के सभी समस्त औपचारिकतायें पूर्ण होने के बाद ही धनराशि आवश्यकता होने पर ही आहरित एवं वितरित की जायेगी।

12- इस सम्बन्ध में प्रमुख सचिव, वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या 284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30-3-2013 तथा उत्तराखण्ड राज्य आकस्मिकता निधि नियमावली-2001 में उल्लिखित शर्तों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

13- राज्य आकस्मिकता निधि से आहरित की जा रही धनराशि के प्रतिदान हेतु आवश्यक व्यवस्था वित्तीय वर्ष 2014-15 के बजट के अन्तर्गत सुसंगत लेखाशीर्षकों में करा दी जायेगी।

14- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक 8000-आकस्मिकता निधि -राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा-201-समेकित निधि के विनियोजन एवं अन्ततः अनुदान संख्या-15 के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा तथाकल्याण-02-समाज कल्याण-104-वृद्ध, अशक्त, दुर्बल तथा निस्सहाय, निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण-06-मुख्यमंत्री वृद्ध महिला पोषण योजना-00-(आयोजनगत)- मुख्यमंत्री वृद्ध महिला पोषण योजना के मानक मद-41-भोजन व्यय के नामे डाला जायेगा।

15- उक्त स्वीकृति कम्प्यूटर आईडी0 संख्या S1411990016 दिनांक 03-11-2014 के अन्तर्गत निर्गत की जा रही है।

भवदीया,

(राधा रतूड़ी)
प्रमुख सचिव

संख्या- 12 /रा0आ0नि0/XXVII(1)/2014 दिनांक 03 नवम्बर, 2014

प्रतिलिपि:- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) ओबेराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से

(एल.एन. प्रसा)
अपर सचिव

संख्या-2004/XVII(4)/2014/129/06TC तददिनांक

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड सरकार।
2. सचिव, मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त जिला कार्यक्रम अधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. महालेखाकार, उत्तराखण्ड औबेराय बिल्डिंग, देहरादून।
7. समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. एकीकृत भुगतान एवं लेखा कार्यालय, (साइबर ट्रेजरी) 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-1/ वित्त नियोजन प्रकोष्ठ/राज्य योजना आयोग/समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 10. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
11. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा, से
(निधि मणि त्रिपाठी)
प्रभारी सचिव

प्रारूप-ए

मुख्य मंत्री युद्ध पोषण आहार योजना की मासिक प्रगति रिपोर्ट (आगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा)

बाल विकास परियोजना

जनपद

आगनवाड़ी केंद्र का नाम

माह वर्ष

माह के दौरान आगनवाड़ी केंद्र खोले जाने वाले दिनों की संख्या

भौतिक प्रगति		वित्तीय प्रगति										अवशिष्ट वनराशि
माह में कितनी युद्ध महिलाओं द्वारा भोजन गृहण किया गया	कुल भोजन संख्या (माह में कुल वितरित भोजन संख्या)	पूर्व वर्ष की अवधि वनराशि	पूर्व माह का अवधि	माह में प्राप्त वनराशि	माह में कुल उपलब्ध वनराशि (4+5+6)	वर्तमान वर्ष में पूर्व माह तक व्यय	माह में व्यय	कुल व्यय	वर्ष में संयोजी व्यय	12		
			1	2	3	4	5	6	7		8	9
दिन	संख्या											
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
माह में 10 दिन से कम भोजन प्राप्त करने वाले												
माह में 10 से 20 दिन के भोजन प्राप्त करने वाले												
21 दिन से अधिक भोजन प्राप्त करने वाले												
योग												

(निविदा मॉडल रिपोर्ट)
प्रभाती सतीश

मुख्यमंत्री वृद्ध पोषण आहार योजना की मासिक प्रगति रिपोर्ट (मुख्य सेविका द्वारा)

बाल विकास परियोजना

जनपद _____ माह _____ वर्ष _____

मुख्य सेविका के अधीन आगता केन्द्रों एवं मिनी केन्द्रों की संख्या

मुख्य सेविका का नाम नाम _____
माह के दौरान मिलने आगता(एडी) केन्द्रों / मिनी केन्द्रों में वृद्धों को आहार दिया गया _____

मासिक प्रगति

द्वितीय प्रगति

दिन	माह में मिलनी वृद्ध महिलाओं द्वारा भोजन गृहण किया गया	संख्या	कुल भोजन संख्या (माह में कुल वितरित भोजन संख्या)	पूर्व वर्ष की अवधि की धनराशि	वर्तमान द्वितीय वर्ष का वितरण							अवशिष्ट धनराशि
					पूर्व माह का की अवधि की धनराशि	माह में प्राप्त धनराशि	माह में कुल उपलब्ध धनराशि (4+5+6)	वर्तमान वर्ष में पूर्व माह तक व्यय	माह में व्यय	कुल व्यय	वर्ष में संभव व्यय	
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
माह में 10 दिन से कम भोजन प्राप्त करने वाले												
माह में 10 से 20 दिन के भोजन प्राप्त करने वाले												
21 दिन से अधिक भोजन प्राप्त करने वाले												
योग												

(निधि मालिक द्वारा)
प्रभाषी सहित

प्रारम्भ-सी

मुख्य मंत्री वृद्ध पोषण आहार योजना की मासिक प्रगति रिपोर्ट (बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा)

बाल विकास परियोजना

प्रारम्भ

माह वर्ष

बाल विकास परियोजना अधिकारी का नाम

प्रारम्भ

समाप्ति आठमास केन्द्र एवं निजी केन्द्रों की संख्या

माह के दौरान किराने आगमनवासी केन्द्रों/निजी केन्द्रों में वृद्धों को आहार दिया गया

दिन	माह में किराने वृद्ध महिलाओं द्वारा भोजन गृहल किया गया	संख्या	कुल भोजन संख्या (माह में कुल वितरित भोजन संख्या)	पूर्व वर्ष की अपेक्षा धनराशि	पूर्व माह का को अवशेष धनराशि	माह में प्राप्त धनराशि	वर्तमान वित्तीय वर्ष का विवरण				अन्य धनराशि
							माह में कुल उपलब्ध धनराशि (4+5+6)	वर्तमान वर्ष में पूर्व माह तक प्राप्त	माह में प्राप्त धनराशि	कुल प्राप्त धनराशि	वर्ष में संयोजी व्यय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
माह में 10 दिन से कम भोजन प्राप्त करने वाले											
माह में 10 से 20 दिन के भोजन प्राप्त करने वाले											
21 दिन से अधिक भोजन प्राप्त करने वाले											
योग											

(निष्ठि मास रिपोर्ट)
प्रभाषी सचिव

प्रारूप-डी

मुख्यमंत्री वृद्ध पोषण अहार योजना की मासिक प्रगति रिपोर्ट (जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा)

जनपद..... माह..... वर्ष.....

जिला कार्यक्रम अधिकारी का नाम..... जनपद में संचालित आठवां केन्द्र एवं पिनी केन्द्रों की संख्या.....

1- मजद का विवरण -

पूर्व वर्ष में प्राप्त धनराशि	पूर्व वर्ष में 31 मार्च तक वास्तविक व्यय	पूर्व वर्ष की माता सन्निधि के खातों में अवशेष धनराशि 31 मार्च को	वर्तमान वर्ष में प्राप्त धनराशि	वर्ष में वर्तमान माह तक कोषागार से उठावित धनराशि	कोषागार में अवशेष धनराशि	धनराशि की मात्रा

2- मुख्यमंत्री वृद्ध पोषण अहार का प्रगति (माता सन्निधि स्तर से हुई प्रगति का विवरण देना है) :

माह के दौरान किये गए आगमनवाही केन्द्रों/पिनी केन्द्रों में वृद्धों को अहार दिया गया.....

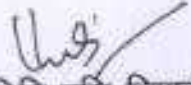
दिन	मासिक प्रगति			द्वितीय प्रगति								माता सन्निधि के पास अवशेष धनराशि
	माह में कितनी वृद्ध महिलाओं द्वारा भोजन गृहल किया गया	मासिक प्रगति	कुल भोजन संख्या (माह में कुल वितरित भोजन संख्या)	माता सन्निधि के पास पूर्व वर्ष की अवशेष धनराशि	पूर्व माह का की अवशेष धनराशि	माह में माता सन्निधि को दी गई धनराशि	माता सन्निधि के वर्तमान वर्ष में प्राप्त माह में कुल उपलब्ध धनराशि (4+5+6)	वर्तमान वर्ष में पूर्व माह तक व्यय	माह में व्यय	कुल व्यय	वर्ष में संकटी व्यय	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
माह में 10 दिन से कम भोजन प्राप्त करने वाले												
माह में 10 से 20 दिन की भोजन प्राप्त करने वाले												
21 दिन से अधिक भोजन प्राप्त करने वाले												
योग												

(निविदा मासिक रिपोर्ट)
प्रभारी सचिव

संख्या- 2084 /XVII(4)/2014/129/06 TC दिनांक 5 नवम्बर, 2014 का संलग्नक

तालिका

अनुदान संख्या-15		(रु० हजार में)	
क्र० सं०	लेखाशीर्षक / मानक मद	वित्तीय वर्ष 2014-15 के अन्तर्गत आकस्मिका निधि से किया जाने वाला बजट प्राविधान	वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए निर्वहन पर रखे जाने हेतु
01	02	03	04
2235-02-104-06-00-41	मुख्यमंत्री वृद्ध महिला पोषण योजना।		
41	भोजन व्यय	112500	112500
	योग-15	112500	112500


(निधि मणि त्रिपाठी)
प्रभारी सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20142015

Secretary, ICDS (9022)

आवंटन पत्र संख्या - 2083/XVIII-(4)/14-129/06TC

अनुदान संख्या - PAC

अलोटमेंट आई टी - S1411990016

आवंटन पत्र दिनांक - 03-Nov-2014

लेखा शीर्षक - 8000-00-201-00-00 (राज्य आकस्मिकता निधि)

HOD Name - Director I C D S (4166)

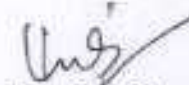
लेखा शीर्षक	2235 - सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण	02 - समाज कल्याण
निसर्ग	104 - बुढ़ा, अशक्त, दुर्बल तथा निम्नस्तर निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण	06 -
समावेदन हरेमा	00 -	

(अनुदान संख्या - 015)

मानक मद का नाम	एवं में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
41 - जीवन व्यय	0	112500000	112500000
	0	112500000	112500000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

112500000


(निधि मणि त्रिपाठी)
प्रभारी सचिव